चतुर्थ विधानसभा के तृतीय सत्र के समापन अवसर पर

माननीय विधान सभा अध्यक्ष का उद्‌बोधन

(बुधवार 17 दिसंबर, 2014)

चतुर्थ विधानसभा के तृतीय सत्र का आज अंतिम दिवस है। आप सभी माननीय सदस्य इस तथ्य से भलीभांति भिज्ञ है कि यह शीतकालीन सत्र दिनांक 15 दिसंबर 2014 से 24 दिसंबर 2014 के मध्य आहूत था किन्तु प्रदेश में नगरीय निकाय और स्थानीय निकायों के निर्वाचन की घोषित तिथियों से उत्पन्न परिस्थिति की वजह से आप सबकी सहमति को दृष्टिगत रखते हुए इस सत्र की तिथियों में संशोधन करते हुए आज दिनांक 17 दिसंबर 2014 को सत्रावसान का निर्णय लिया गया।

सत्र समापन के इस अवसर पर सबसे पहले मैं समस्त माननीय सदस्यों से एक विनम्र आग्रह करना चाहता हूं कि संसदीय शासन व्यवस्था में पक्ष-प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों के मध्य परस्पर वैचारिक मतभेद का तो स्थान है परंतु सदन के गतिरोध की स्वीकार्यता नही है, इस दृष्टि से हमें अपने संसदीय आचरण एवं व्यवहार पर चिंतन करना चाहिए। इस सत्र को इस बात के लिये याद रखा जाएगा कि इस सत्र की तीन दिवसीय बैठकों में प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों ने संसदीय कार्यो के संपादन में हिस्सा नही लिया अपितु अपनी विशेष राजनैतिक मांग पर जोर देते हुए संसदीय आचरण के अनुरूप कार्य नहीं किया।

माननीय सदस्यों की भावना और इस बात से मैं सहमत हूं कि सभी माननीय सदस्य किसी न किसी राजनैतिक दल अथवा विचारधारा से संबद्ध होते हैं। अपने दल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता आवश्यक भी है, परंतु सभा में उच्च संसदीय परंपराओं के पालन के लिये यह आवश्यक है कि हम संसदीय मूल्यों को सुदृढ़ बनाने में अपना अधिकतम योगदान दें।

इस सदन में पक्ष एवं प्रतिपक्ष के अनेक वरिष्ठ माननीय सदस्य हैं जिनका संसदीय प्रक्रियाओं एवं परिपाटियों में गहरा अनुभव रहा है। वस्तुतः मैं इस विषय का उल्लेख नही करना चाहता था, परंतु अपने हृदय की भावनाओं से आपको अवगत कराना आवश्यक समझता हूं कि प्रदेश का यह सर्वोच्च मंच चर्चा के माध्यम से सरकार की त्रुटि की ओर ध्यान दिलाते हुए अपने तर्को से सरकार को नीतियों में परिवर्तन के लिये बाध्य करने का एक सशक्त मंच है और आप माननीय सदस्यों से यह अपेक्षा रहती है कि आप सभी इस सभा को चर्चा का एक ऐसा स्थल बनाए जिससे प्रदेश की जनता में यह संदेश जाए कि आप सभी वाद-विवाद एवं चर्चा के माध्यम से प्रदेश के विकास में सहभागिता निभा रहे हैं।

इस शीतकालीन सत्र में तमाम प्रयासों के बावजूद सदन में गतिरोध की वजह से अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विभिन्न माध्यमों से निर्धारित चर्चा नही हो सकना निश्चित रूप से खेद जनक है, परंतु इस संदर्भ में मेरी अपनी मान्यता है कि हमें आशावादी दृष्टिकोण रखना चाहिए। जो कुछ हुआ उससे हम सीख लेते हुए बेहतर भविष्य की दिशा में आगे बढ़े। हमें इस बात को स्मरण रखना होगा कि राजनैतिक कार्य एवं संसदीय कार्य दो पृथक बिंदु है हमे उसके सूक्ष्म अंतर को भी समझने की आवश्यकता है।

मैं ऐसा महसूस करता हूं कि आप सभी माननीय सदस्यों में उच्च संसदीय संस्कार विद्यमान है, और यही संस्कार भविष्य में इस सदन की गरिमा को अक्षुण्ण बनाये रखते हुए संसदीय मूल्यों के संरक्षण की दिशा में एक आदर्श प्रस्तुत करेंगे। छत्तीसगढ़ की चतुर्थ विधानसभा अभी अपने शैशवकाल से गुजर रही है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप जैसे संवेदनशील, विद्वत माननीय सदस्यों के सामूहिक सहयोग से इस तृतीय विधानसभा का कार्यकाल अपनी उपलब्धियों के लिये स्मरण किया जायेगा।

इस सत्र में वित्तीय कार्य और विधायी कार्य, निर्धारित व्यवस्था के अनुरूप पूर्ण किये गये । इस कार्य में सहयोग के लिये आप सभी माननीय सदस्यों को मैं धन्यवाद देता हूं ।

इस शीतकालीन सत्र में सदन की कार्यवाही के सांख्यिकी आंकड़ों से मैं आपको अवगत कराना चाहूंगा। इस सत्र के कुल 3 कार्य दिवसों में कुल 6 घंटे 15 मिनट चर्चा हुई। इस सत्र में 1371 प्रश्नों की सूचनाएं प्राप्त हुई जिनमें ग्राह्य तारांकित प्रश्न 486 एवं अतारांकित प्रश्नों की संख्या 427 रही। जैसा कि मैने आपकों पूर्व में उल्लेख किया है कि इस सत्र में अविलंबनीय लोक महत्व के प्रत्येक विषयों पर विभिन्न माध्यमों के तहत सदन में चर्चा हुई। इस सत्र में नियम 139 के अंतर्गत चर्चा हेतु कुल 4 सूचनाएं प्राप्त हुई।

इस सत्र में 4 अशासकीय संकल्प प्राप्त हुए तथा एक शासकीय संकल्प भी लाया गया जो स्वीकृत हुआ।

इस सत्र में कुल 107 स्थगन प्रस्ताव की सूचनाएं प्राप्त हुई जिनमें से एक विषय में संबंधित 37 स्थगन प्रस्ताव की सूचनाओं की ग्राह्यता पर सदन में चर्चा हुई। अग्राह्य स्थगन प्रस्तावों की संख्या 70 रही। इस सत्र में शून्यकाल की 16 सूचनाएं प्राप्त हुई जिनमें से 14 सूचनाएं ग्राह्य व 02 सूचनाएं अग्राह्य रही।

चतुर्थ विधानसभा के इस तृतीय सत्र में कुल 182 ध्यानाकर्षण की सूचनाएं प्राप्त हुई जिनमें 18 सूचनाएं ग्राह्य व 132 सूचनाएं अग्राह्य रही। इस सत्र में कुल 06 विधेयक लाए गए और 06 विधेयक पारित हुए। इस सत्र में कुल 11 प्रतिवेदन पटल पर रखे गये वहीं 06 याचिकाएं भी सदन के पटल पर

रखी गई । इसके साथ ही सदन के महत्वपूर्ण कार्य, वित्तीय कार्य, अनुपूरक मांगों को पुनर्स्थापन का महत्वपूर्ण कार्य भी निष्पादित हुआ।

इस सत्र में विभिन्न जनप्रतिनिधि संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थाओं और विभिन्न संगठनों के लगभग 425 लोगों ने सदन की कार्यवाही का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। आप माननीय सदस्यों से मेरा आग्रह है कि अपने विधानसभा क्षेत्र के शैक्षणिक संस्थाओं को विधानसभा परिभ्रमण में सहयोग करें जिससे कि प्रदेश के अधिकतम छात्र-छात्राएं राज्य की सर्वोत्तम प्रजातांत्रिक संस्था की कार्यप्रणाली और महत्व को सहजता से समझ सके।

इस सत्र समापन के अवसर पर पत्रकार बंधुओं के विषय में विशेष रूप से कहना चाहूंगा कि आपने अपनी कलम के माध्यम से अपनी सार्थकता को प्रमाणित और सिद्ध किया है। मैं पत्रकार दीर्घा के सभी पत्रकार बंधुओं को अपनी ओर से धन्यवाद देता हूं कि आपने सत्रकाल में सदन से संबंधित समाचारों को अपेक्षित आवश्यक स्वरूप में आम जनता के मध्य रखा। इस सत्र समापन के अवसर पर सदन के नेता माननीय मुख्यमंत्री जी, माननीय नेता प्रतिपक्ष श्री टी.एस.सिंहदेवजी, माननीय संसदीय कार्यमंत्री श्री अजय चन्द्राकरजी, सभी मंत्रिगण, सभापति तालिका के सम्माननीय सदस्य सहित आप सभी माननीय मंत्रियों एवं सदस्यों को आपके सहयोग के लिये धन्यवाद देता हूं।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ विधानसभा सचिवालय के प्रमुख सचिव एवं उनके सहयोगियों और राज्य शासन के समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्विध्न सत्र संपन्न कराने में सहयोग देने के लिये मैं उन्हे भी धन्यवाद देता हूं कि आपने प्रदत्त दायित्वों का गंभीरता से परिपालन किया। सुरक्षा व्यवस्था में संलग्न अधिकारियों/कर्मचारियों को बधाई देता हूं कि आपने सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था को पूरे सत्रकाल में कायम रखा। उनके समन्वित सहयोग से ही इस सत्र का सुचारू संचालन संभव हो सका। परंपरा रही है कि सत्र समाप्ति के अवसर पर आगामी सत्र की संभावित तिथि सदन को सूचित की जाती है तद्नुसार आगामी बजट सत्र दिनांक 2 मार्च से दिनांक 3 अप्रैल के मध्य आहूत होने की संभावना है।

वर्ष 2014 का यह अंतिम सत्र है और शीघ्र ही नया वर्ष आने वाला है मैं आप सभी माननीय सदस्यों से आग्रह करता हूं कि छत्तीसगढ़ के विकास के लिये आगे बढ़ें और इस पवित्र सदन की मर्यादा को अक्षुण्ण रखने का संकल्प लें । मैं कामना करता हूं कि आने वाला वर्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रत्येक नागरिक के लिये मंगलकारी हो आप सभी माननीय सदस्यों का भावी जीवन सुखमय और समृद्धिकारक हो।

इस अवसर पर मैं आवाहन करना चाहता हूं कि आइए ! छत्तीसगढ़ राज्य के विकास और समृद्धि के पावन अनुष्ठान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर इस पावन मंदिर की प्रतिष्ठा अक्षुण्ण रखने का संकल्प लें। नव वर्ष शुभ हो ।

जय हिन्द, जय भारत, जय छत्तीसगढ़ ।